दोपहर का दैनिक अमरावती पत्रक

बुधवार, ३१ मई २०२३

महानगर ४

एमआईटी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट, पुणे द्वारा मुंबई में राष्ट्रीय विधान सभा भारत का आयोजन

15 से 17 जून को देश के सभी विधायक संयुक्त चर्चा करेंगे

प्रतिनीधी /३१ मई

अमरावती- नेतृत्व, लोकतंत्र, शासन और एक शांतिपूर्ण समाज का निर्माण भारत के इतिहास में पहली बार देश में 2000 से अधिक विधायक वे नेशनल लेजिस्लेटिव कांफ्रेंस में साथ आएंगे और एक मंच पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। एमआईटी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट, पुणे द्वारा आयोजित, राष्ट्रीय विधानमंडल सम्मेलन, भारत बीकेसी जीओ सेंटर, मुंबई में 15 जून से 17 जून 2023 इस दौरान आयोजित किया गया है। भारत में सभी विधान सभाओं और विधान परिषदों के अध्यक्ष और सभापती के सहयोग से यह बैठक होने की जानकारी विधायक श्रीकांत भारतीय ने पत्रकार वार्ता में दी।

साथ ही, उन्होंने सभी प्रदेश के दलों के विधायक से अपील की कि इस बैठक में शामिल होकर हमारे लोकतंत्र को मजबूत करने में योगदान दें। इस मौके पर एमडब्ल्यूटी राष्ट्रीय सरपंच संसद के मुख्य समन्वयक योगेश पाटिल मौजूद रहें। राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय एकीकरण और राष्ट्रीय समग्र सतत विकास के लिए केंद्रीय विषय त्रिसूत्री के मुख्य उद्देश्य से आयोजित इस सभा का शुभारंभ समारोह 16 जून को होगा। सम्मेलन का समापन 17 जून को होगा। इसके अलावा 40 समानांतर सत्र और गोलमेज सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। भारत की लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, डॉ. मीरा कुमार, शिवराज पाटिल चाकूरकर, मनोहर जोशी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इस बैठक में मार्गदर्शक और समन्वयक हैं। राहुल एमआईटी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट के संस्थापक अध्यक्ष विश्वनाथ कराड के विचारों से राष्ट्रीय संविधान सभा, भारत की अवधारणा साकार कि गई है। वे

इस बैठक के मुख्य आयोजन समन्वयक हैं। एस इस बैठक में महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथराव शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, विधान सभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधान परिषद उपसभापति डॉ. नीलम गोऱ्हे, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रामराजे नाइक निंबाळकर व पूर्व विधान सभा अध्यक्ष दिलीप वलसे पाटिल का विशेष सहयोग रहा।

इस सम्मेलन में सार्वजनिक जीवन में तनाव प्रबंधन, उपकरण और सतत विकास के प्रभावों पर केंद्रित होगा, कल्याणकारी योजनाएँ अंतिम व्यक्ति का उत्थान, वित्तीय भलाई के लिए प्रौद्योगिकी की स्वीकृति और प्रशंसा कानून पर चर्चा होगी। कार्य: जीवन संतुलन: सफलता की कुंजी, आपका निर्वाचन क्षेत्र विकसित करने की कला और कौशल, अपनी छवि बनाएं उपकरण और तकनीक, विधायी प्रदर्शन- उम्मीदों पर खरा उतरना और समाज कल्याण के लिए सहयोग- नौकरशाहों और विधायकों से चर्चा होगी। गोलमेज सम्मेलन- भारत 2047- हमारा फोकस, सभी राजनीतिक दलों के नेता राजनीति पर चर्चा करते हैं। अध्यात्मीकरण- आध्यात्मिक नेताओं की चर्चा, अमृत काल में भारत का परिवर्तन- व्यापार और उद्योग नेताओं की चर्चा, विधायी कामकाज की चुनौतियाँ और सभी राज्य विधानसभाओं के सचिवों द्वारा आगे की राह चर्चा, भारत 2047 हमारा फोकस चर्चा, मीडिया 2047 सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की भूमिका और उत्तरदायित्व- संपादक और वरिष्ठ पत्रकार कानून और नागरिक 2047 पर चर्चा करेंगे। हमारा फोकस- कानूनी विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। प्रत्येक सत्र में 50 विधायक उक विषयों पर चर्चा करेंगे। इसी तरह प्रत्येक सत्र के अध्यक्ष इस पद पर विधान सभा के अध्यक्ष, विधान परिषद के सभापति, संसदीय कार्य मंत्री और विपक्ष के नेता होंगे। भारत के सभी राज्यों के कुल 1800 विधायक अब तक राष्ट्रीय विधान सम्मेलन में उपस्थिति बतायी गयी है। साथ ही इस संम्मेलन में कुल 2500 विधायकों के आने की उम्मीद है.

जनसंपर्क विभाग, माईर्स एमआयटी, पुणे.